कहां से लीक हुई गैस

गैस साउथ कोरिया की कंपनी एलजी पॉलिमर्स के प्लांट से लीक हुई। कंपनी के इस प्लांट में पॉलिस्टीरीन बनाया जाता है। यह एक प्रकार का प्लास्टिक है जिसका इस्तेमाल कई तरह की चीजें बनाने में होता है। इनमें खिलौनों से लेकर पंखे के ब्लेड, कप, कॉस्मेटिक उत्पाद को रखने वाले कंटेनर जैसी चीजों के लिए इसका बहुत इस्तेमाल होता है। प्लांट में स्टीरीन गैस का इस्तेमाल इसी प्लास्टिक को बनाने के लिए हो रहा था।

हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव ने ट्वीट कर जताया दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) विशाखापत्तनम। कोरोना वायरस महामारी के बीच गुरुवार सुबह विशाखापत्तनम के एक प्लांट से जहरीली गैस लीक होने की खबर आई। इस घटना में कई लोगों की जान जा चुकी है। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव ने इस पर गहरा दुख जताया है।

गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में जहरीली गैस लीक होने के हादसे में अभी तक 10 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों अन्य बीमार हैं। इस हादसे पर भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी गहरा दुख जताया है। पंड्या ने ट्वीट कर इस दुर्घटना को दिल दुखाने वाला कहा है। उन्होंने ट्वीट किया देखकर दिल टूट गया। इस हादसे का शिकार हुए लोगों के प्रियजनों के लिए मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और प्रभावितों के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। विशाखापत्तनम में गैस लीक होने के स्थान के 3 किलोमीटर के दायरे में दहशत का माहौल देखा गया। लोग सड़कों पर बेहोश पड़े थे। कई लोगों ने सांस लेने में परेशानी होने की बात कही। कई के शरीर पर एलर्जी से चकत्ते पड़ गए थे और कइयों को आंखों में जलन की परेशानी थी।

सानिया मिर्जा ने कहा भारत में महिला ऐथलीट होना मुश्किल

विंबलडन

करियर के टॉप पर थीं तो उनसे सवाल किए जाते थे कि वह मां कब बन रहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को गर्व है कि क्रिकेट से इतर भारत के खेल सितारों में महिलाएं शामिल हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि देश में महिलाओं के लिए खेलों को वास्तविक करियर के रूप में देखने में अभी कुछ और समय लगेगा। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने अखिल भारतीय टेनिस संघ और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित वेबिनार के दौरान कई मसलों पर बातचीत की जिसमें माता पिता की भूमिका और महिला खिलाड़ियों के प्रति कोचों का रवैया शामिल है।

सानिया ने कहा, 'मैं इस बात से गर्व महसूस करती हूं कि क्रिकेट से इतर देश में सबसे बड़े खेल सितारे महिलाएं हैं। अगर आप पत्रिकाएं, बिलबोर्ड देखोगे तो आपको महिला खिलाड़ी दिखेंगी। यह बहुत बड़ा कदम है। मैं जानती हूं कि महिला होकर खेलों में आना मुश्किल

होता है।' उन्होंने कहा, 'यह इस बात का संकेत है कि चीजें बदली हैं लेकिन अभी हमें उस स्थिति में पहुंचने के लिए लंबी राह तय करनी है जबकि एक लड़की मुक्केबाजी के ग्लब्स पहने या बैडमिंटन रैकेट पकड़े या कहे कि 'मैं पहलवान बनना चाहती हूं।' मेरे कहने का मतलब है कि प्रगति नैसर्गिक होनी चाहिए।'

सानिया से पूछा गया कि लड़कियां 15 या 16 साल के बाद टेनिस क्यों छोड़ देती हैं तो उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति से जुड़ा गंभीर मसला है। उन्होंने कहा, 'दुनिया के इस हिस्से में माता पिता खेल को सीधे तौर पर नहीं अपनाते। वे चाहते हैं कि उनकी बेटी चिकित्सक, वकील, शिक्षिका बने लेकिन खिलाड़ी नहीं। पिछले 20–25 वर्षों में चीजें बदली हैं लेकिन अब भी लंबा रास्ता तय करना है।'

लोग पूछते थे बच्चे कब पैदा करोगी

भारत की कई महिला खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष छाप छोड़ी हैं इनमें ओलिंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और साइना नेहवाल, छह बार की विश्व चौंपियन मुक्केबाज एमसी मेरी कॉम, एशियाई खेलों की चौंपियन विनेश फोगाट, पूर्व विश्व चौंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू आदि प्रमुख हैं। सानिया ने हालांकि महिला खिलाड़ियों के सामने आने वाली कई चुनौतियों पर बात की। उन्होंने कहा, 'लड़कियों के लिए कुछ चीजें तय कर दी जाती। यहां तक कि मैंने सब कुछ हासिल कर दिया तब भी मुझसे पूछा जाता था कि मैं कब बच्चे के बारे में सोच रही हूं और जब तक मैं मां नहीं बनूंगी मेरी जिंदगी पूर्ण नहीं होगी।' सानिया ने कहा, 'हम लोगों से गहरे सांस्कृतिक मुद्दे जुड़े हैं और इनसे निजात पाने में अभी कुछ पीढ़ियां और लगेंगी।' सानिया ने कहा कि उन्हें अपने करियर में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा लेकिन उनके माता पिता ने उनकी सफलता में बेहद अहम भूमिका निभायी। उन्होंने कहा, 'हम जो कर रहे थे वह चलन के विपरीत था।

बेटी सारा ने बनाए चुकंदर कबाब, महज 60 सेकंड में प्लेट चट कर गए सचिन तेंडुलकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंडुलकर के बारे में कहा जाता है कि वह खाने के खूब शौकीन हैं। अब जब वह कोरोना वायरस की वजह से घर में हैं तो उनकी बेटी सारा तेंडुलकर के पास पापा के लिए कुछ खास बनाने का मौका मिल गया, जो मास्टर को खूब पंसद भी आया। उन्होंने पूरी प्लेट महज 60 सेकंड में ही चट कर दी।

इसकी जानकारी खुद क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले इस क्रिकेटर ने दी। उन्होंने लिखा– 60 सेकंड में ही पूरी प्लेट खत्म कर दी। शानदार चुकंदर कबाव के लिए शुक्रिया सारा। उन्होंने इसके साथ ही दो तस्वीरें भी शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह

भरी प्लेट के साथ दिख रहे हैं तो दूसरी प्लेट में वह बेटी सारा और खाली प्लेट के साथ दिख रहे हैं। उनकी इस तस्वीर को अब तक साढ़े 6 लाख से अधिक लोगों ने लाइक किया है।

बता दें कि अक्सर इंटरव्यूज में सचिन के साथी क्रिकेटर उनके खाने के प्रति प्रेम का इजहार करते रहते हैं। उनके पसंदीदा खानों की लिस्ट में महाराष्ट्र का प्रसिद्ध श्वड़ा पावश समेत ढेरों डिशेज शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि फिलहाल कोरोना वायरस की वजह से देश में लॉकडाउन जारी है और तमाम खेल या तो स्थगित हो चुके हैं या फिर रद्द। इस लिस्ट में इंडियन प्रीमियर लीग का नाम भी शामिल है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस टी–20 लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। अगर यह टूर्नमेंट होता तो वह मुंबई इंडियंस के साथ व्यस्त होते।

जिसे आप धोनी का उत्तराधिकारी कह रहे थे, वह पानी पिला रहा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को लगता है कि चयनकर्ताओं को विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर थोड़ा और संयम रखने की जरूरत है। पंत पिछले समय से अच्छी फॉर्म में नहीं थे। न तो उनका बल्ला चल रहा था और न ही विकेट के पीछे ही उनका प्रदर्शन प्रभावित करने वाला था। ऐसे में भारत की दो पिछली सीमित ओवरों की सीरीज में उनके स्थान पर केएल राहुल को टीम में मौका दिया गया। पंत के खराब दौर पर नेहरा ने कहा, श्बहुत से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं लेकिन उन्हें लंबे समय तक बैक किए जाने की जरूरत है। नेहरा ने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और अब क्रिकेट कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में कहा, आज भी हम भारतीय टीम में नंबर पांच और छह को लेकर चर्चा कर रहे हैं, तो इसका अर्थ है कि इसे लेकर हम आश्वस्त नहीं हैं। केएल राहुल नंबर 5 पर खेल रहे हैं और पंत, जिन्हें आप महेंद्र सिंह धोनी के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार कर रहे थे, पानी पिला रहे हैं। नेहरा ने आगे कहा, श्मैं जानता हूं कि उन्होंने कुछ मौके गंवाए और इसमें कोई शक नहीं है।

न्यूज डायरी

रद्द तोक्यो सत्र को ऑनलाइन कराने की योजना बना रहा है आईओसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति ने 2020 खेलों की शुरुआत से पहले तोक्यो में होने वाले अपने अगले सत्र को 17 जुलाई को ऑनलाइन कराने की योजना का खुलासा किया है। इस सत्र का वीडियो लिंक के जरिए सीधा प्रसारण होगा। आईओसी के लुसाने स्थित मुख्यालय ने कहा कि ओलिंपिक खेलों के एक साल के लिए स्थगित होने और कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्विट्जरलैंड और दुनिया भर में उठाए जा रहे कदमों के कारण ऑनलाइन सत्र की योजना बनाई गई। आईओसी के सत्र के एजेंडे पर कार्यकारी बोर्ड फैसला करेगा जिसकी अगली ऑनलाइन बैठक 14 मई को होगी। इस महामारी के कारण दुनिया भर में 250000 से अधिक लोगों की जान गई है।

मोहम्मद जाहिद, जिसे शोएब अख्तर मानते थे खुद से तेज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। अगर तेज गेंदबाजी की बात की जाए तो पाकिस्तान का नाम जरूर जेहन में आता है। वहां से कई ऐसे तेज गेंदबाज आए हैं जिन्होंने क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम किया है। हालांकि उनमें से कई ऐसे भी रहे जो लंबे वक्त तक अपना जलवा कायम नहीं रख पाए और जल्द ही पटल से गायब हो गए। एक ऐसा ही खिलाड़ी था मोहम्मद जाहिद। जाहिद दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे। वह जैनुइन फास्ट बोलर थे। यहां तक कि शोएब अख्तर भी मानते हैं कि जाहिद की रफ्तार उनसे ज्यादा थी। शोएब अख्तर दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज थे। रावलपिंडी एक्सप्रेस नाम से मशहूर पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी रफ्तार से दुनियाभर के बल्लेबाजों को परेशान किया। अगर आप उनके दौर के और फास्ट बोलर्स के बारे में बात करें तो ब्रेट ली, शॉन टेट, शेन बॉण्ड आदि का नाम लेंगे। लेकिन इनके अलावा एक बोलर ऐसा था जो अख्तर की नजर में बहुत तेज था।

वेस्टइंडीज की मौजूदा टी20 टीम 2016 की विश्व कप विजेता टीम से बेहतरः ब्रावो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आलराउंडर ड्वेन ब्रावो वेस्टइंडीज की मौजूदा टी20 टीम की बल्लेबाजी की गहराई से काफी प्रभावित हैं और उन्होंने कहा कि यह टीम 2016 में विश्व कप जीतने वाली टीम से बेहतर है और किसी भी विरोधी टीम को डरा सकती है।ब्रावो ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''श्रीलंका में पिछली श्रृंखला के दौरान हमारी टीम बैठक हुई और कोच फिल (सिमंस) ने खिलाड़ियों की सूची बल्लेबाजी क्रम में बनाई और उन्होंने मेरा नाम नौवें स्थान पर लिखा।''उन्होंने कहा, ''और मैंने साथी खिलाड़ियों से कहा, सुनिए, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी ऐसी टी20 टीम का हिस्सा रहा जब मुझे नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ी हो।''ब्रावो ने कहा, ''मैं हमारे बल्लेबाजी क्रम से बेहद प्रभावित था और मैंने साथी खिलाड़ियों से कहा कि सुनो, मुझे लगता है कि यह टीम असल में हमारी विश्व कप विजेता टीम से बेहतर है और यह कोई मजाक नहीं है, क्योंकि हमारी बल्लेबाजी 10वें स्थान तक है।'

टेस्ट तक ही सीमित नहीं रहना चाहता, सभी प्रारूपों में योगदान करना चाहता हूं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंग्स्टन। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा कि वह भले ही टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे हों लेकिन एक प्रारूप में नहीं बंधना चाहते और खेल के सभी तीनों प्रारूपों में नाम कमाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। होल्डर ने 'विंडीजक्रिकेट डाट काम' से कहा, 'मैं खुद को समेटना नहीं चाहता और एक प्रारूप में ही खुद को बांधना नहीं चाहता।' वह पिछले पांच वर्षों से टेस्ट टीम के कप्तान हैं, इसके अलावा 86 वनडे में भी टीम की कप्तानी संभाल चुके हैं। होल्डर ने कहा, 'हां, मैं टेस्ट टीम का कप्तान हूं लेकिन मेरा मुख्य केंद्र वेस्टइंडीज क्रिकेट रहा है और वो भी सभी तीनों प्रारूपों में, महज टेस्ट क्रिकेट में नहीं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट कई अलग अलग तरीकों से काफी विविध है और बतौर खिलाड़ी हमें समझना होगा कि हममें से प्रत्येक को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी।'